समनुदेशन (Assignment) हेतु प्रश्न

एम. ए. संस्कृत, द्वितीय सत्र

वेद (MSKTC 201)

कुल अंक 20

निर्देश - इस पत्र में तीन समनुदेशन दिए गए हैं। प्रत्येक समनुदेशन में चार प्रश्न हैं। प्रत्येक समनुदेशन (Assignment) से दो प्रश्न लगभग 1000-1500 शब्दों में अपेक्षित हैं। हस्तलिखित समनुदेशन दूरवर्ती एवं ऑनलाईन शिक्षा केन्द्र को सम्प्रेषित करें।

समनुदेशन(Assignment) 1

अंक 07

(3.5X2)

प्र. 1 ऋग्वेद का काल निर्धारित कीजिए।

प्र. 2 निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिये-

ऋग्वेद 1-19-1, 3, 5 1-25-2, 4, 9, 13

1-115-1, 3, 7 1-143-2, 5, 8

1-154-3, 4, 6 2-12-2, 4, 5, 7

प्र. 3 किन्हीं दो पदों पर व्याकरण सम्बन्धी तथा अर्थ विषयक टिप्पणी लिखिये-

गोपीथाय, ऋतुम्, देवासः, अनाधृष्टासः, सुक्षत्रासः, रिशादसः, सोम्यम्।

प्र. 4 अग्नि, वरुण, सूर्य, अग्नि, विष्णु और इन्द्र में से किन्हीं दो की वेद प्रतिपादित चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

समनुदेशन(Assignment) 2

अंक 07

(3.5X2)

प्र. 1 ऋग्वेद में विद्यमान दार्शनिक तत्त्वों का विवेचन कीजिए।

प्र. 2 निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिये-

ऋग्वेद 3-61-1, 3, 6 4-54-2, 4, 5

5-83-2, 5, 9 10-14-2, 4, 7, 8

10-90-3, 5, 7, 10, 14

प्र. 3 किन्हीं दो पदों पर व्याकरण सम्बन्धी तथा अर्थ विषयक टिप्पणी लिखिये-

मघोनी, सुनृता, केतु, ऋतावरी, अनूचीना, दिवेदिवे, जीरदानुः, सुविदत्रान्, महिमान।

प्र. 4 उषा, सविता, पर्जन्य, यम और पुरुष में से किन्हीं दो की वेद प्रतिपादित चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

समनुदेशन (Assignment) 3

अंक 06

(3X2)

प्र. 1 निम्नलिखित में से किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या कीजिये-

ऋग्वेद 10-121-1, 3, 5, 6 10-125-3, 5, 7

प्र. 2 पृथ्वी सूक्त के निम्नलिखित किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या कीजिये-

मन्त्र संख्या- 5, 11, 19, 25, 34, 45, 57, 61

प्र. 3 अथर्ववेदगत पृथिवी-सूक्त का सार लिखिये।

प्र. 4 वैदिक तथा लौकिक संस्कृत की तुलना कीजिए।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

स्नातकोत्तर संस्कृत द्वितीय सत्र
सत्र.....

समनुदेशन विषय

पाठ्यक्रम कोड

समनुदेशन संख्या

प्रस्तुतकर्ता

नाम

पञ्जीकरण संख्या

अनुक्रमांक.....

स्थायी पता.....

.....

.....

ई-मेल.....

मोबाइल नं.

दिनांक

हस्ताक्षर